अप्रैल तक मेट्रो-3 शुरू होने की उम्मीद

मुंबईकरों को और 3-4 महीने करना होगा इंतजार

■ प्रिया पांडे @ नवभारत.

मुंबई. मुंबईकर तेजी से बढ़ते मेट्रो नेटवर्क में नवीनतम जुड़ाव एक्वा लाइन (मेट्रो 3) के शुरू होने का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं, लेकिन यह इंतजार इतने जल्दी खत्म होने वाला नहीं है, क्योंकि मुंबई मेट्रो रेल कारपोरेशन की मैनेजिंग डायरेक्टर अश्विनी भिड़े ने बताया कि मेट्रो-3 के शुरू होने में अब भी 3-4 महीने लगेंगे, क्योंकि डिपो कनेक्टिविटी का काम चल रहा है. हमारी कोशिश है कि हम इसे अप्रैल तक शुरू कर सके. यदि हम जनवरी के अंत तक डिपो को जोड़ सकते हैं तो सभी परीक्षण और अनुमतियां मिलने में अगले 2 से 3 महीने लगेंगे. मेट्रो दिसंबर 2023 तक तैयार हो जाएगी, लेकिन नागरिकों की सेवा में आने में इसे अगले 3 से 4 महीने लगेंगे. फिलहाल पहले चरण (आरे से बीकेसी) का काम 93.4% पूरा हो गया है. इस बात की जानकारी उन्होंने गुरुवार को मराठी पत्रकार संघ में आयोजित अप्पा पेंडसे व्याख्यान कार्यक्रम में दिया है, जो मेट्रो की वर्तमान स्थिति और भविष्य में मेट्रो से लोगों को होने वाले लाभ के स्थिति पर आयोजित किया गया था. याद दिला दें कि पहले एमएमआरसी ने बताया था कि दिसंबर 2023 तक इसका काम पूरा किया जाएगा और जनवरी 2024 के अंत में इसका लोकार्पण किया जाएगा.

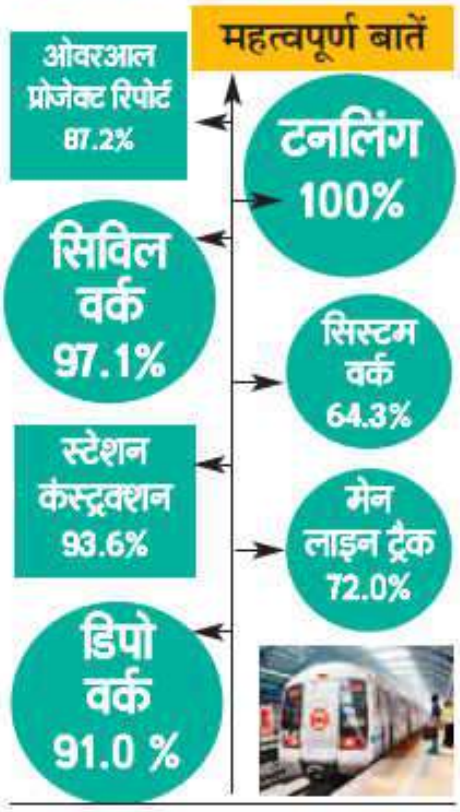

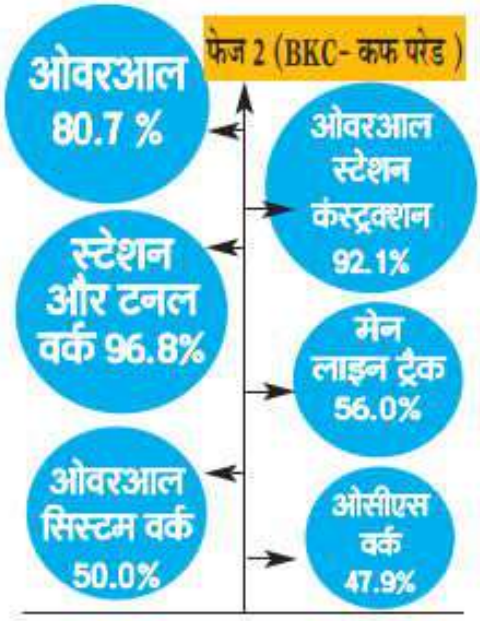

देरी के कारण बढ़ी थी लागत

अश्विनी भिड़े ने उपस्थित लोगों के समक्ष मुंबई मेट्रो-3 के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की. साथ ही आरे कारशेड का मामला कैसे महाविकास आघाड़ी के कार्यकाल के दौरान 3 साल तक रुका रहा और उस वजह से कैसे प्रोजेक्ट में देरी हुई? इस बारे में भी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट में देरी की वजह से वित्तीय नुकसान हुआ था. प्रोजेक्ट की कुल लागत 14 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ गई थी और डिपो के कार्य में देरी के कारण 4-5 करोड़ रुपए बढ़ गया था.

दायर किये गए थे 96 मामले

अश्विनी ने कहा कि मेट्रो-3 के खिलाफ 96 मामले दायर किए गए थे. कोर्ट ने मेट्रो-3 की सुनवाई काफी देर में की, हालांकि सामने जो लोग थे, उनकी ओर से किये जा रहे हस्तक्षेप के कारण इन मामलों में देरी हुई, लेकिन हर फैसला हमारे पक्ष में लिया गया. कुछ मामलों में कोर्ट ने सामने वाले पक्ष का पक्ष भी समझा. कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति पिछले 5 साल से काम कर रही है. ये सभी मामले लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत बहुत पारदर्शी तरीके से लिए गए, इसलिए हम अपना काम बेहतर तरीके से पेश किये गए.